नवभारत
04
इंदौर, सोमवार, 4 मई 2026

प्रशासन-नेता रसोई गैस की कालाबाजारी पर ध्यान देंगे क्या...

खुलेआम ब्लैक हो रही घरेलू गैस की टंकियां, आम जनता लाइनों में लगकर हो रही परेशान

शाजापुर। आपदा में अवसर खोजने वालों में शाजापुर गैस एजेंसी संचालक भी अव्वल हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद भले ही इतनी किल्लत गैस की न हो, जितनी किल्लत गैस एजेंसियों ने ब्लैक में बेचकर कर दी। कहने को शाजापुर में तीन गैस एजेंसी है, लेकिन खुलेआम घरेलू गैस का सिलेंडर 2000 से लेकर 2500 तक ब्लैक में बेचा जा रहा है। सबसे ज्यादा शिकायत नवीन गैस एजेंसी की आ रही हैं, लेकिन इस पर न तो प्रशासन कार्रवाई कर रहा है, न ही शहर के नेताओं का ध्यान है।

गौरतलब है कि आपदा में अवसर को लाभ का जरिया बनाने वाली गैस एजेंसियों ने आम जनता को ब्लैक में टंकी देकर लूटने का एक्शन प्लान बनाया है। भले ही सरकार की तरफ से गैस सप्लाय में दिक्कत न हो, लेकिन शाजापुर के गैस एजेंसी संचालकों ने कृत्रिम गैस संकट पैदा कर रखा है। हालात यह है कि 2000 से लेकर 2500 तक में घरेलू गैस की टंकी बिक रही है, लेकिन इस पर सब मौन है। कहने को शाजापुर में एक से एक दबंग, युवा हृदय सम्राट, दादा-पहलवान, कलफदार कुर्ते वाले नेता हैं, लेकिन जनता की सुध लेने के लिए किसी भी नेता के पास समय नहीं है। जहां सत्ता पक्ष के नेता सत्ता के नशे में मदहोश हैं, तो विपक्ष सूरदास बना हुआ है और प्रशासनिक अधिकारी तो गांधीजी के तीन बंदरों को भी मात देने में लगे हुए हैं।

प्रशासन को करना चाहिए सख्त कार्रवाई

जनता के लिए सुशासन का दावा करने वाले शासन-प्रशासन के अधिकारियों को शहर में गैस एजेंसियों के खिलाफ सख्त मुहिम शुरू करना चाहिए। किसके पास कितना स्टॉक है और कितना स्टॉक रोज आ रहा है। एक गोपनीय टीम बनाकर गैस एजेंसियों पर छापामारी की जाए, तो ही जनता को राहत मिलेगी। केवल प्रेस नोट जारी करके कि टंकी पर्याप्त है, घबराने की जरूरत नहीं है, इससे कुछ नहीं होगा, क्योंकि नवीन गैस एजेंसी पर खुलेआम टंकियों की कालाबाजारी हो रही है, जिसे प्रशासन रोकने में पूरी तरह असमर्थ है। कहने को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग है, लेकिन ये विभाग अपने जेब की आपूर्ति करने में लगा हुआ है।

विपक्ष से रहा है, पक्ष सत्ता के नशे में मदहोश है...

जब पक्ष सत्ता के नशे में मदहोश हो, तो लोकतंत्र में विपक्ष ही जनता की आवाज बनता है, लेकिन शाजापुर का विपक्ष कुंभकरणीय नींद में सो रहा है। या यूं कहें कि शाजापुर में गैस की कालाबाजारी को लेकर कांग्रेस इसलिए चुप हैं कि गैस एजेंसी संचालक के परिवार से एक महिला कांग्रेस की नेत्री हैं। क्या कांग्रेस नेता अपने कांग्रेस नेताओं की गैस एजेंसी के खिलाफ आंदोलन करेंगे, जो जनता को खुलेआम लूट रहे हैं। तो वहीं भाजपा नेताओं को चाहिए कि जनता के हित में वे गैस की टंकियों की कालाबाजारी को तत्काल रोक लगाएं। क्योंकि देश-प्रदेश में सरकार भाजपा की है, जिससे सरकार की बदनामी हो रही है।

एक नजर में

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में बताई योजनाएं...

मोहन बड़ोदिया। परियोजना मोहन बड़ोदिया में शासन के निर्देशानुसार लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं को आश्वासन पत्र तथा उत्कृष्ट नंबर लाने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत मोहन बड़ोदिया के पंचायत सचिव अर्जुन सिंह चौहान, आशा जांगड़े, सुपरवाइजर चारू सिंह ठाकुर, कार्यकर्ता एवं लाड़ली लक्ष्मी की बालिकाएं सहित उनके माता-पिता उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारी किरण परमार ने रविवार शाम 4 बजे बताया कि लाड़ली लक्ष्मी योजना में बालिका के प्रवेश होने पर 2000, 9वीं में प्रवेश होने पर 4000, 11वीं 6000, 12वीं में प्रवेश लेने पर 6000 की राशि तथा स्नातक में 25000 की राशि दो किश्तों में बालिका को शासन द्वारा दी जाती है तथा 21 वर्ष पूर्ण होने पर बालिका को 1लाख की राशि देने का आश्वासन प्रमाण पत्र दिया गया भी दिया गया।

मक्सी में नीम के पेड़ से लटका मिला शव

मक्सी। मक्सी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 में रहने वाले 26 वर्षीय युवक हरिनारायण पिता सुभाष लोधी का शव खेत पर लगे नीम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना रविवार सुबह लगभग 6 बजे की बताई जा रही है। जिसके बाद सूचना पर मक्सी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के जीजा धर्मेंद्र जब सुबह बाहर गए थे। तब उन्होंने हरिनारायण को नीम के पेड़ से लटका हुआ देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना मृतक के भाई बलराम को दी। परिजनों के मौके पर पहुंचने तक युवक की मृत्यु हो चुकी थी। मक्सी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कायमीकर्ता सऊनि अभिषेक दीक्षित एवं जांच अधिकारी प्रआर धीरेन्द्र पाण्डेय मामले की बारीकी से पड़ताल कर रहे हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि प्राथमिक रूप से मामला फांसी का प्रतीत हो रहा है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

मंदिर की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाने की मांग

आगर मालवा, 3 मई। बड़ा तालाब के पास स्थित केवड़ा स्वामी मंदिर की भूमि पर धर्म विशेष के लोगों द्वारा लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है, जिसके कारण लोगों में खासी नाराजगी है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सीमांकन करवारकर अतिक्रमण हटाए जाने की मांग करते हुए रविवार शाम थाना कोतवाली पहुंचकर एसआई संजय गुनेरा को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

वंदे मातरम् के नारों से देशभक्ति मय हुआ वातावरण

शाजापुर। जिले के ग्राम रानी बड़ौद निवासी हवलदार दीवान सिंह मेवाड़ा भारतीय सेना में 18 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए, जब वे उनके गृह क्षेत्र पहुंचे तो नगरवासियों ने उनके स्वागत में वंदे मातरम व देशभक्ति के नारे लगाकर वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। पूर्व सरपंच कुमेर सिंह मेवाड़ के भतीजे और दिलीप सिंह मेवाड़ के सुपुत्र दीवान सिंह के सम्मान में अकोदिया से रानी बडौद तक एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, अकोदिया के रेलवे स्टेशन पर दीवान सिंह के पहुंचते ही भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। यहां से भव्य चल समारोह प्रारंभ हुआ। बस स्टैंड स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद यात्रा आगे बढ़ी। डीजे ,ढोल नगाड़ों की थाप और देशभक्ति गीतों के बीच युवाओं ने तिरंगा लहराते हुए उत्साह दिखाया। जगह जगह आतिशबाजी भी की गई। चल समारोह रेलवे स्टेशन अकोदिया से टप्पा चौराहा, महाराणा प्रताप बस स्टैंड चौराहा, कंगन बाजार चौराहा, एसबीआई रोड, जाटपुरा, रेलवे फाटक होते हुए ग्राम रानी बडौद पहुंचा। मार्ग में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और व्यापारियों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर हवलदार दीवान सिंह का स्वागत किया। युवाओं ने उन्हें कंधों पर उठाकर अभिनंदन किया। ग्राम रानी बडौद स्थित निवास पर पहुंचते ही भावुक क्षण देखने को मिले। सबसे पहले मां ने बेटे की नजर उतारी और आरती उतारकर तिलक किया। बेटे को सकुशल घर लौटा देख मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। परिवारजनों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। इसके बाद दीवान सिंह ने इलाई माता मंदिर और बागवाले हनुमान मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

सुरेशचंद्र गोठी बने असंगठित कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

शुजालपुर। असंगठित कामगार कांग्रेस में संगठनात्मक विस्तार के तहत सुरेशचंद्र गोठी को जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह शक्तावत द्वारा की गई। गोठी की नियुक्ति के बाद कांग्रेस संगठन में उत्साह का माहौल देखा गया। प्रदेश उपाध्यक्ष महेन्द्र जोशी, प्रदेश महासचिव रामवीर सिंह सिकरवार, जिला अध्यक्ष नरेश्वर प्रताप सिंह, गजेन्द्र सिसोदिया, ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह राठौड, कैलाश उपलावदिया,जयंत सिकरवार, बल्ला सोनी, हसन रज़ा कुरैशी, विशाल शर्मा, विष्णु शर्मा, कैलाश कुशवाह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस में संगठन से नहीं, जो गोद लिया जाता है, वो बनता है अध्यक्ष

पॉलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

कांग्रेस में अभी तक जो नेता गोद लिया जाता है, उसे अध्यक्ष बनाया जाता है। या यूं कहें कि जो जिस गुट का गोद लिया नेता होता है, वो उसी का अध्यक्ष होता है। इसको सरल भाषा में रबर स्टॉम्प भी कह सकते हैं। शाजापुर जिले में अभी तक जितने भी कांग्रेस अध्यक्ष बने, एकाध को छोड़ दें, तो अधिकांश अपने राजनीतिक आकाओं की गोद ही गए हैं और उनकी गोदी में बैठकर ही कांग्रेस संगठन का संचालन किया गया। हालांकि जिले में कांग्रेस संगठन को समझना रॉकेट साइंस से भी कठिन है। यहां संगठन का अध्यक्ष चुना नहीं जाता, बल्कि उसे गोद लिया जाता है। जिले में कांग्रेस का अध्यक्ष होना किसी पद की गरिमा संभालने जैसा कम और किसी बड़े नेता का आज्ञाकारी उत्तराधिकारी बनने जैसा ज्यादा लगता है। कहने को तो अध्यक्ष पूरे जिले का होता है, लेकिन उसकी कार्यशैली देखकर ऐसा लगता है, जैसे वह किसी बड़े नेता के बंगले का एक्सटेंशन हो। जिले में जब भी नया अध्यक्ष आता है, कार्यकर्ता सबसे पहले यह नहीं पूछते कि संगठन कैसे मजबूत होगा... बल्कि वे यह पूछते हैं कि ये वाला अध्यक्ष किसकी गोदी में बैठेगा या इनका असली मालिक कौन है। शाजापुर कांग्रेस के इतिहास में स्वतंत्र अध्यक्ष ढूंढना वैसा ही है, जैसे गर्मी की दोपहर में बिजली ढूंढना। उम्मीद सबको रहती है, पर मिलता किसी को नहीं। यहां की राजनीति की सबसे बड़ी खूबी यह है कि अध्यक्ष के पैर शाजापुर में होते हैं, लेकिन दिमाग उनके राजनीतिक आकाओं के हाथ में होता है। फैसला अध्यक्ष को लेना होता है, लेकिन सिग्नल आका से आता है। अध्यक्ष केवल चेहरा होता है, जबकि मुखौटे के पीछे हाथ आका के होते हैं।

हालांकि शाजापुर में स्वतंत्र होने के बड़े नुकसान हैं। अगर आप स्वतंत्र हुए, तो आपको बागी घोषित कर दिया जाएगा। इसलिए यहां के अध्यक्षों ने बड़ी समझदारी दिखाई है। वे जानते हैं कि अपना दिमाग चलाने से बेहतर है कि किसी बड़े नेता की छाया में गोद का आनंद लिया जाए। इससे न केवल पद सुरक्षित रहता है, बल्कि हार का ठीकरा भी बड़े नेता की रणनीति पर फोड़ा जा सकता है। शाजापुर कांग्रेस में अध्यक्ष का पद अब एक ऐसी नर्सरी बन गया है, जहां बड़े नेता अपने पसंदीदा पौधों को गमलों में उगाते हैं। गमला (संगठन) भले ही पुराना हो जाए, पर पौधा वही होगा, जो मालिक की खाद और पानी पर फले-फूले।

कांग्रेस में नेताओं की भरमार, कार्यकर्ताओं का टोटा

कांग्रेस में हर नेता पद के लिए व्याकुल रहता है। हर नेता को पद चाहिए। यही कारण है कि कांग्रेस में नेताओं की तो भरमार है, लेकिन कार्यकर्ताओं का टोटा है। यदि कांग्रेस की भीड़ में एक पत्थर उछाला जाए,तो वो किसी नेता में लगेगा, कार्यकर्ता में नहीं, क्योंकि कांग्रेस की राजनीति करने वाला हर नेता पद की लालसा में आकाओं की गोद में बैठा है। यही कारण है कि जो नेता पद दिलाता है, वो नेता अपने आका की गोद में ही राजनीति की किलकारियां मारता है। और उस नेता के लिए वही आका संगठन बन जाता है।

शाजापुर की प्रदेश में धूम

प्रदेश में शाजापुर भले ही राजनीतिक दृष्टि से साधारण जिला रहा हो, लेकिन इस बार भाजपा में शाजापुर जिले की प्रदेश में धूम है। युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शाजापुर से। दो-दो प्रदेश मंत्री शाजापुर से। महिला मोर्चा अजा के पदाधिकारी भी शाजापुर से। मीडिया पैनलिस्ट भी शाजापुर से। रही कसर एक निगम, मंडल शाजापुर को मिल गया। उच्च शिक्षा मंत्री शाजापुर से हैं ही। इन दिनों राजनीति में शाजापुर की कुंडली के ग्रह उच्च स्थान पर हैं।

और अंत में...

गजब का दौर है... तारीफ किए बिना कोई खुश नहीं होता और झूठ बोले बिना किसी की तारीफ होती नहीं है...

जनगणना : शिक्षक घर-घर जाकर जुटा रहे जानकारी

बड़ौद। एचएलओ एप के माध्यम से जनगणना कार्य की शुरुआत हो गई है। इस अभियान के तहत शिक्षक घर-घर जाकर नागरिकों से जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। जनगणना में कुल 34 प्रमुख सवालों के आधार पर डेटा जुटाया जा रहा है, जो भविष्य की विकास योजनाओं की नींव बनेगा।

जनगणना के दौरान मकान और भवन नंबर, फर्श, दीवार और छत में उपयोग की गई सामग्री, मकान का उपयोग और उसकी वर्तमान स्थिति, परिवार के मुखिया का नाम, कुल सदस्यों की संख्या, लिंग, जाति, वैवाहिक स्थिति, पेयजल का स्त्रोत, बिजली की उपलब्धता, शौचालय और स्नानघर की स्थिति, गंदे पानी की निकासी व्यवस्था और खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाला ईंधन, घर में उपलब्ध संसाधन, वाहन, मुख्य रूप से उपयोग किए जाने वाले अनाज की जानकारी ली जा रही है। यह संपूर्ण डेटा सरकार को क्षेत्र की वास्तविक स्थिति समझने में मदद करेगा, जिससे योजनाओं को और अधिक प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकेगा।

परशुराम जन्मोत्सव पर वाहन रैली-शोभायात्रा

शुजालपुर। भगवान परशुराम के प्राकट्य उत्सव पर नगर में दो दिवसीय आयोजन शांत, सुव्यवस्थित और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुए, 1 व 2 मई को हुए कार्यक्रमों में महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठजनों की बड़ी भागीदारी रही, जिससे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश मिला।

1 मई को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, इसमें समाज के मेधावी विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं व 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय व राज्य स्तर के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान व्यंजन मेला और विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं, जिनमें विजेताओं को वामा मंडल ने पुरस्कृत किया, समारोह में समाज के वरिष्ठजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनुशासित रही वाहन रैली व शोभायात्रा

दूसरे दिन 2 मई को रायंकनपुरा स्थित हनुमान मंदिर से वाहन रैली निकाली गई। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई चौबे स्कूल पहुंची। इसके बाद श्रीरामचंद्र चोबे स्मृति शिक्षा निकेतन से शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः प्रारंभिक स्थल पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे समाजजन आकर्षण का केंद्र रहे। भगवान परशुराम की सुसज्जित झांकी बग्गी पर विराजित की गई, पं। आलोक उपाध्याय द्वारा भगवान परशुराम तथा वैष्णवी अनिल शर्मा द्वारा झांसी की रानी के स्वरूप में घुड़सवारी प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व पूजन-अर्चन से हुई, आरती के बाद वेद मंत्रों और जयघोष के बीच धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, कृष्ण जन्म, बाल लीलाएं, कालिया नाग मर्दन और श्रीकृष्ण-परशुराम संवाद का मंचन सराहा गया। राधा, श्रीकृष्ण और भगवान परशुराम के रूप में कलाकारों की प्रस्तुति को खूब सराहना मिली।

एक नजर में

नारद जयंती पर समारोह आयोजित, जिलेभर के पत्रकारों और साहित्यकारों ने रखे विचार

भारतीय संस्कृति की ओर लौटती पत्रकारिता पर किया मंथन...

शाजापुर। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर रविवार को एबी रोड स्थित होटल में नारद समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व संवाद केंद्र मालवा एवं स्थानीय पत्रकारों के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर से बड़ी संख्या में पत्रकारों की सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारदजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय का स्वागत वरिष्ठ पत्रकार मनोज जैन एवं अजीत पाराशर ने किया। वहीं मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार नितिन चावड़ा का स्वागत कमल सूर्यवंशी एवं मनोज जोशी ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय पत्रकार अमित शर्मा द्वारा दिया गया। मुख्य वक्ता नितिन चावड़ा ने भारतीय मीडिया : औपनिवेशिक मानसिकता से स्व की ओर विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि पत्रकारिता को भारतीय मूल्यों और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीण पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए मीडिया की जिम्मेदार भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि घनश्याम मालवीय ने बदलते मीडिया परिदृश्य, पत्रकारों की जिम्मेदारियों एवं समाज में मीडिया की प्रभावशीलता पर विस्तार से चर्चा की। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार मनोज पुरोहित, विजय जोशी, मनोज जैन एवं कवयित्री संतोष शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन भरत चतुर्वेदी ने किया। आभार सुनील हंचोरिया ने माना। इस अवसर पर जगदीश भवसार, जितेंद्र ज्वलंत, महेंद्र मोहन सोनी, महेन्द्र आचार्य, हेमंत आर्य, अनिल मुकाती, अवनीश त्रिवेदी, बंटी व्यास, मोहित राठौर, आकाश पांचाल, मोहित भवसार, नरेंद्र भाटी, संजय राठौर, संजय सक्सेना, अनुराग श्रीवास्तव, अजय कुशवाह, पीयूष भवसार, मुकेश राठौर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल रहे। कार्यक्रम ने पत्रकारिता के मूल्यों, समाज में उसकी भूमिका और भारतीय दृष्टिकोण को लेकर सार्थक संवाद का मंच प्रदान किया।

शुजालपुर में शादी समारोह के दौरान बाइक चोरी

शुजालपुर। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं, ताजा मामला मंडी क्षेत्र का है जहां शादी समारोह में शामिल होने गए युवक की मोटरसाइकिल अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। पुलिस को दी गई शिकायत में फरियादी ने बताया कि वह 23 अप्रैल को सतनाम गार्डन में आयोजित एक विवाह समारोह में रोटी बनाने के कार्य से गया था। रात करीब 1.30 बजे वह उस्ताद विष्णु मीणा के कमरे फ्रीगंज शुजालपुर पर खाना लेकर पहुंचा था, उसने अपनी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 42 जेड जी 3851 साथी के घर के सामने खड़ी की थी, कुछ समय बाद बाहर आकर देखा तो मोटरसाइकिल मौके से गायब थी। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने आशंका जताई है कि अज्ञात व्यक्ति रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक चोरी कर ले गया। फरियादी ने वाहन की कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।